63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 641 Participant Code: 303

नयी दिशा नयी उषा

कौन हूँ मैं? पता नहीं।
हरेक नयी दिशा मुझमें,
नयी उषा दिलवाती है।
सात में नयी मुझे भी।

जब मैं छोटा था, माँ,
मुझे नयी दिशा दिखाती थी।
उनकी उँगलियाँ पकड़कर मैं,
नयी दिशा से चलता था।

मुझे अकेले जाना डर था।
माँ मुझे साहस दिया, और
नयी दिशा, नयी उषा के
सामने चलाया।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

63-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
2025 ജനുവരി 4 മുതൽ 8 വരെ
തിരുവനന്തപുരം

Item Code: 641 Participant Code: 303

लेकिन माँ अंत तक मेरी
साथ नहीं थी।
उसने मुझे छोड़ दिया।
मुझे लगा कि मैं, एक समुद्र के बीच हूँ।

लेकिन मैं हारना नहीं चाहता था,
मैं नयी दिशा ढूँढकर चलना
शुरू किया। लेकिन आगे जाना
मुश्किल था।

~~बीच को मैं खलत दिशा पहुँची।~~
लगता है कि मैं गलती किया,
पर क्या? पता नहीं।
लगता है की मैं, खलत दिशा में हूँ।
पर कहाँ? पता नहीं।

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram
63-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം 2025 ജനുവരി 4 മുതൽ 8 വരെ തിരുവനന്തപുരം
Item Code: 641 Participant Code: 303

अब मैं एक चिड़िया हूँ।
अपनी पंख कटी हुई चिड़िया।
जिसको उड़ नहीं सकता और,
समुद्र के बीच फँसा हूँ।

मुझे उड़ना है, नयी दिशा,
की ओर।
मैं हारना नही चाहता, मुझे
नयी दिशा, नयी उषा की ओर
उड़ना है।

पर कहाँ है नयी दिशा?
इस कलियुग में कहाँ है,
नयी दिशा, नयी उषा?
क्या है नयी दिशा?

इस कलियुग में एक ही दिशा है
असत्य का, अधर्म का, घृणा का।
क्या वो है नयी दिशा?
क्या वो है नयी उषा?

नयी दिशा, नयी उषा कलिंग
धर्म युद्ध करो?
नहीं तो मर जाओ, इस
कलियुग में।

हम सबके अंदर एक ही खून,
बहती है।

हम इंसान हैं, भूलना मत।
नयी दिशा, नयी उषा कलिंग
धर्म युद्ध करो।

मैं कौन हूँ? मुझे पता है।
इस कलियुग में,
नयी दिशा, नयी उषा लाने कलिंग,
हूँ मुझे बनाई हूँ।